UNIVERSITY NEWS 01 SEPTEMBER 2026

DAINIK JAGRAN

लवि : विद्यार्थियों में प्रबंधन कौशल का विकास करेगा हार्वर्ड बिजनेस स्कूल

लवि का हार्वर्ड बिजनेस स्कूल पब्लिशिंग के साथ हुआ अनुबंध

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) ने व्यावसायिक एवं प्रबंधन शिक्षा को अंतरराष्ट्रीय मानकों के समकक्ष बनाने के लिए, हार्वर्ड बिजनेस स्कूल पब्लिशिंग के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता किया है। इसके साथ ही लवि देश का पहला ऐसा राज्य विश्वविद्यालय बन गया है, जो अपने छात्र-छात्राओं को यह अंतरराष्ट्रीय सुविधा निःशुल्क उपलब्ध करा रहा है।

कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय अपने छात्र-छात्राओं को केवल डिग्री देने तक सीमित नहीं रखना चाहता, बल्कि उन्हें उद्योग और कारपोरेट जगत की जरूरतों के अनुरूप सक्षम बनाना चाहता है। विश्वविद्यालय के स्नातक (बीबीए, बी.काम) और परास्नातक (एमबीए) के समस्त पाठ्यक्रमों के पंजीकृत विद्यार्थियों को इस सुविधा का लाभ मिलेगा। सत्र 2026-27 के प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर से ही हमारे विद्यार्थी कंपनियों की केस स्टडीज और वैश्विक प्रबंधन सिद्धांतों का अध्ययन कर सकेंगे। इससे उनमें तार्किक सोच, रणनीतिक निर्णय लेने की क्षमता और समस्या समाधान का व्यावहारिक कौशल विकसित होगा।

एलयूआरएन में पंजीकरण अब 15 तक : लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2026-27 की केंद्रीकृत स्नातक एवं परास्नातक प्रवेश प्रक्रिया के तहत लखनऊ यूनिवर्सिटी रजिस्ट्रेशन नंबर (एलयूआरएन) के पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ाकर 15 सितंबर कर दी है। पहले 31 अगस्त तक समय था। लवि से संबद्ध महाविद्यालयों में प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए एलयूआरएन पंजीकरण अनिवार्य है। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध समर्थ पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं। आधार कार्ड या आरक्षण प्रमाण-पत्र उपलब्ध न होने पर संबंधित आवेदन पत्र की प्रति भी संलग्न की जा सकती है। जाब्यू

यूजीसी नेट-जेआरएफ में लवि के 102 विद्यार्थी सफल

जासं ● लखनऊ : विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की ओर से आयोजित राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (यूजीसी नेट/जेआरएफ जून 2026) के परिणाम में लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपनी शैक्षणिक व शोध प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। विभिन्न संकायों एवं शिक्षण विभागों से 102 विद्यार्थियों ने सफलता पाई है। इसमें 16 विद्यार्थियों ने जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) और 86 असिस्टेंट प्रोफेसर पात्रता (नेट) परीक्षा उत्तीर्ण की है।

प्रवक्ता प्रोफेसर मुकुल श्रीवास्तव की ओर से जारी सूचना के अनुसार हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग से सर्वाधिक 19 विद्यार्थी सफल हुए हैं। इनमें चार जेआरएफ और 15 नेट वाले हैं। वहीं, शिक्षा शास्त्र विभाग से दो जेआरएफ, 14 नेट, अर्थशास्त्र विभाग से चार जेआरएफ, नौ नेट, समाज कार्य विभाग से एक जेआरएफ, नौ नेट तथा मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग से नौ छात्र नेट उत्तीर्ण हुए हैं। इसके अलावा पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग से पांच, सांख्यिकी से पांच, दर्शनशास्त्र विभाग से चार, प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग से चार, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग से चार, विधि संकाय से तीन, कंप्यूटर साइंस विभाग से दो, योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा संकाय से दो, फारसी विभाग से दो, उर्दू, भूविज्ञान, लोक प्रशासन और पाश्चात्य इतिहास से एक-एक छात्र ने परीक्षा उत्तीर्ण की है।

"यह उपलब्धि हमारे सुदृढ़ शैक्षणिक वातावरण, शोध संस्कृति और शिक्षकों के निरंतर मार्गदर्शन का परिणाम है। सफल छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों को बधाई देता हूं।"
-प्रो. जेपी सैनी, कुलपति, लवि

AMAR UJALA

अदब के शहर में नहीं मिल रहे उर्दू के विद्यार्थी

लखनऊ विवि : पीजी में छात्र-छात्राओं की कमी, पिछले दस वर्ष से नहीं भर पा रहीं सीटें

अभिषेक सहज

लखनऊ। जिस लखनऊ ने लंबा नवाबी दौर देखा है जिसकी गलियों में मीठी जुबान और तहजीब की खुशबू कायम है, वहां के युवा अब उर्दू सीखने से भी परहेज कर रहे हैं। एक समय था जब लखनऊ विश्वविद्यालय में उर्दू विषय में प्रवेश के लिए मारामारी होती थी, आज वहां विद्यार्थी खोजे नहीं मिल रहे हैं। लविवि में इस साल एमए उर्दू की 120 सीटों के सापेक्ष केवल 45 छात्र ही मिल सके हैं।

उर्दू विभाग के अध्यक्ष सीनियर प्रोफेसर डॉ. अब्बास रजा नैय्यर ने बताया कि एक जमाने में एमए उर्दू में प्रवेश लेने वालों की इतनी ज्यादा संख्या होती थी कि सीटों की संख्या बढ़ानी पड़ी लेकिन पिछले 10-12 वर्षों के दौरान शहर में कई विश्वविद्यालय व कॉलेजों में कोर्स शुरू हो जाने से लविवि में छात्रों की संख्या घटती चली गई।

इस साल एमए उर्दू की 120 सीटों के सापेक्ष आए केवल 45 विद्यार्थी

हर साल सीटें खाली रह जाती हैं। निर्धारित तिथि तक उनके पास 45 विद्यार्थियों के आवेदन प्राप्त हो चुके थे। विवि की ओर से 31 अगस्त तक सीधे प्रवेश दिए जाने की घोषणा के बाद करीब 20 आवेदन बढ़े हैं जिससे यह संख्या 65 हो सकती है। शिया पीजी कॉलेज के अलावा भाषा विवि में भी कोर्स संचालित होने से छात्रों की संख्या बंट गई है। मौलाना आजाद ओपन यूनिवर्सिटी में तो स्कॉलरशिप मिलती है।

मालूम हो कि लविवि की ओर से 27 अगस्त को सूचना जारी की गई थी कि ऐसे पीजी पाठ्यक्रमों में सीधे प्रवेश दिया जाएगा, जिनमें सीटें रिक्त रह गई हैं। विवि ने स्पष्ट किया है कि सत्र 2026-27 में परास्नातक पाठ्यक्रम के लिए किए गए आवेदन की प्रति, सीधे प्रवेश के लिए स्वहस्ताक्षरित प्रार्थना पत्र और आधार कार्ड की स्वहस्ताक्षरित प्रति जमा करनी होगी। इसके लिए भी अंतिम तिथि 31 अगस्त थी। हालांकि पीजी में कई कोर्स हैं जिनमें सीटें खाली रह जाने की आशंका है।

एमए उर्दू के बाद रोजगार के कई अवसर

- स्कूलों में उर्दू शिक्षक के साथ यूजीसी नेट/पीएचडी के बाद कॉलेज व विश्वविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर बनने का अवसर।
- सरकारी विभागों, न्यायालयों, दूतावासों और निजी संस्थानों में उर्दू अनुवादक के रूप में काम।
- उर्दू समाचार पत्रों, पत्रिकाओं और डिजिटल मीडिया संस्थानों में रिपोर्टर, संपादक और प्रूफरीडर की भूमिका।
- समाचार उद्घोषक, स्क्रिप्ट राइटर और कंटेंट राइटर के तौर पर अवसर।
- दुभाषियाः विभिन्न संस्थानों और बैठकों में उर्दू-हिंदी/अंग्रेजी भाषा के इंटरप्रेटर के रूप में काम।
- ऑनलाइन कंटेंट राइटिंग, अनुवाद और संपादन के जरिए भी आय का विकल्प।

पीजी के इन पाठ्यक्रमों में खाली रह गईं सीटें

पीजी के 43 पाठ्यक्रमों में सीटें खाली रह गई हैं। इन सीटों के लिए सीधे आवेदन मांगे गए हैं और मेरिट के आधार पर प्रवेश लिया जाएगा। खाली रह गए कोर्सेज में एमए एआईएच एंड आर्कियोलॉजी, एमए आचार्य, एमए अरब कल्चर, एमए अरबी, एमए कंपोजिट हिस्ट्री, एमए डिफेंस स्टडीज, मास्टर्स ऑफ पॉपुलेशन स्टडीज, एमए फ्रेंच, एमए संस्कृत, एमए उर्दू, एमए फिलॉसफी, एमए होम साइंस, एमए लिंग्विस्टिक्स, एमए पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नेंस और एमए ज्योतिष विज्ञान शामिल हैं। विज्ञान वर्ग में एमएससी एनवायरमेंटल साइंसेज, कंप्यूटर साइंस, डाटा साइंस एंड एनालिटिक्स, एआई एंड मशीन लर्निंग, साइबर सिक्योरिटी एंड साइबर फॉरेंसिक, रिन्यूएबल एनर्जी, मॉलिक्यूलर एंड ह्यूमन जेनेटिक्स, फूड प्रोसेसिंग एंड टेक्नोलॉजी और मैथमैटिक्स जैसे पाठ्यक्रम शामिल हैं। इसके अलावा एमबीए फार्मास्युटिकल मैनेजमेंट, मास्टर ऑफ पब्लिक हेल्थ, एमए एजुकेशन, एमकॉम एप्लाइड इकोनॉमिक्स और एमए पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में भी सीटें खाली रह गई हैं।

AMAR UJALA

लविवि : यूजीसी नेट-जेआरएफ में सौ से अधिक छात्र-छात्राओं को मिली सफलता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के सौ से अधिक विद्यार्थियों ने जून 2026 में आयोजित यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा में सफलता हासिल की है। इनमें 16 विद्यार्थियों ने जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) और 86 ने असिस्टेंट प्रोफेसर पात्रता (नेट) परीक्षा उत्तीर्ण की है। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से इसकी घोषणा की गई। कुलपति जेपी सैनी ने सफल विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों को बधाई दी। विभागवार आंकड़ों के अनुसार, हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग से सर्वाधिक 19 विद्यार्थी सफल हुए। इनमें चार जेआरएफ और 15 नेट शामिल हैं। शिक्षाशास्त्र विभाग से 16 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए, जिनमें दो जेआरएफ और 14 नेट हैं। अर्थशास्त्र विभाग से 13 विद्यार्थियों ने सफलता पाई, जिनमें चार जेआरएफ और नौ नेट हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

आवेदन की अंतिम तिथि अब 10 सितंबर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए शोध मेधा छात्रवृत्ति के आवेदन की अंतिम तिथि 10 सितंबर तक बढ़ा दी है। डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर अमिता कनौजिया के अनुसार, शोधार्थी ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। इच्छुक विद्यार्थी निर्धारित आवेदन पत्र और आवश्यक दस्तावेज के साथ आवेदन जमा करें। ऑनलाइन आवेदन के लिए गूगल फॉर्म का लिंक जारी किया गया है। ऑफलाइन आवेदन विवि की वेबसाइट lkouniv.ac.in पर उपलब्ध आवेदन पत्र के माध्यम से होगा। विवि ने विभागाध्यक्षों और निदेशकों से 10 सितंबर तक आवेदन डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर कार्यालय भेजने के लिए कहा है। वहीं, सत्र 2026-27 में स्नातक और परास्नातक प्रवेश के लिए लखनऊ यूनिवर्सिटी रजिस्ट्रेशन नंबर (एलयूआरएन) पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। अब अभ्यर्थी 15 सितंबर तक पंजीकरण करा सकेंगे। पहले अंतिम तिथि 31 अगस्त थी।(माई सिटी रिपोर्टर)

अब हार्वर्ड की केस स्टडी से पढ़ेंगे लविवि के छात्र-छात्राएं

लखनऊ। लविवि के विद्यार्थी अब हार्वर्ड बिजनेस स्कूल की विश्वस्तरीय अध्ययन सामग्री से पढ़ाई कर सकेंगे। विश्वविद्यालय ने हार्वर्ड बिजनेस पब्लिशिंग (एचबीपी) के साथ साइट लाइसेंस एग्रीमेंट किया है। इसके तहत शैक्षणिक सत्र 2026-27 में बीबीए, बीकॉम और एमबीए के प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों को हार्वर्ड की केस स्टडीज, हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू (एचबीआर) के लेख व कोर करिकुलम की डिजिटल सामग्री का एक्सेस मिलेगा।

विवि के अनुसार, इस सुविधा का पूरा खर्च लविवि स्वयं वहन करेगा। विद्यार्थियों को इसके लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा। विवि का दावा है कि यह सुविधा निशुल्क देने वाला वह देश का पहला राज्य विश्वविद्यालय है। मुख्य और द्वितीय परिसर में संचालित बीबीए और बीकॉम के सभी पाठ्यक्रमों के पंजीकृत विद्यार्थियों को इसका लाभ मिलेगा।

एमबीए कार्यक्रमों के प्रथम और द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थी भी एचबीपी की सामग्री पढ़ सकेंगे। कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने कहा कि विवि का उद्देश्य छात्रों को कॉर्पोरेट जगत की जरूरतों के अनुरूप सक्षम नेतृत्वकर्ता बनाना है। (माई सिटी रिपोर्टर)

I NEXT

LU के नेपाली स्टूडेंट्स को सता रही है अपनों की फिक्र

i SPECIAL

नेपाल में अपने परिजनों के लगातार संपर्क में है स्टूडेंट्स

ayush.mishra@inext.co.in

LUCKNOW (31 Aug): नेपाल में आई भीषण त्रासदी ने न सिर्फ वहां के लोगों को प्रभावित किया है, बल्कि हजारों किलोमीटर दूर लखनऊ यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे नेपाली स्टूडेंट्स की चिंता भी बढ़ा दी है. परिवार से आने वाली हर कॉल जहां उनके लिए राहत लेकर आती है तो संपर्क न होने पर बेचैनी बढ़ जाती है. एलयू परिसर में छात्र अपने साथियों और परिजनों से लगातार संपर्क में हैं. कई विद्यार्थी नेपाल के अलग-अलग क्षेत्रों में रहने वाले अपने परिवार और रिश्तेदारों की स्थिति जानने के लिए फोन और इंटरनेट के माध्यम से संपर्क साध रहे हैं.

ध्यान पढ़ाई से ज्यादा घर पर

आपदा की जानकारी सामने आने के बाद छात्रों का ध्यान पढ़ाई से ज्यादा घर की ओर है. मोबाइल पर आने वाली हर सूचना पर उनकी नजर रहती है. परिवार से संपर्क होने पर सबसे पहले अपनों का कुशलक्षेम पूछा जाता है. छात्रों के मुताबिक, लखनऊ में सुरक्षित होने के बावजूद मन नेपाल में ही है. सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों के जरिए सामने आ रही तस्वीरें और वीडियो उन्हें स्थिति से अवगत करा रहे हैं. एलयू के नेपाली विद्यार्थियों में कुछ ऐसे भी हैं जो केवल अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंतित नहीं हैं, बल्कि नेपाल में प्रभावित लोगों की मदद के लिए भी आवाज उठा रहे हैं.

कैंपस में एक-दूसरे का बन रहे सहारा

आपदा की खबरों के बीच नेपाली विद्यार्थियों के बीच आपसी संवाद भी बढ़ा है. जिन छात्रों का परिवार सुरक्षित है, वे दूसरे विद्यार्थियों से लगातार संपर्क में हैं और उन्हें जरूरी जानकारी उपलब्ध कराने की कोशिश कर रहे हैं. छात्र नेपाल के अलग-अलग हिस्सों से आने वाली सूचनाओं को साझा कर रहे हैं, ताकि प्रभावित क्षेत्रों की वास्तविक स्थिति का पता लगाया जा सके. कई विद्यार्थियों का कहना है कि इस समय सबसे बड़ी प्राथमिकता अपनों की सुरक्षा है. पढ़ाई और अन्य गतिविधियों के बीच भी उनका ध्यान बार-बार नेपाल की ओर चला जाता है. परिवार से एक छोटी-सी बातचीत भी उन्हें मानसिक राहत देती है.

सब लोग करें मदद

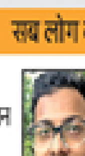

नेपाल में बाढ़ से हम लोग बहुत आहत हैं. हम भगवान से प्रार्थना करते हैं कि हालात जल्द ही सामान्य हों. हमारी लोगों से अपील है कि वे आपदा राहत कोष में दान करें.
अभिषेक गुप्ता

नेपाल में आई भयावह तबाही से हजारों लोगों की जान जा चुकी है और पांच हजार से भी ज्यादा लोग लापता हैं. मैं सभी की सलामती की प्रार्थना करती हूं.
रोशनी सिंह

नेपाल की घटना दिल तोड़ देने वाली है. मैं चाहती हूं कि हम सब मिलकर नेपाल के लिए प्रार्थना करें. मेरी बस यही चाह है कि जल्दी से सबकुछ पहले जैसा हो जाए.
खुशी पाठक

रसुवा जिले में जो बाढ़ आई है उसने सबकुछ तबाह कर दिया है. भगवान जल्दी से सब ठीक करें और लोग एक-दूसरे की मदद करें. भारत हमेशा हमारे लोगों का ख्याल रखता है.
राहुल कुमार शाह

खबर से जुड़ी जानकारी के लिए QR करें स्कैन.

I NEXT

एलयू के 102 स्टूडेंट्स हुए सफल

इनमें 16 अभ्यर्थी जेआरएफ और 86 नेट के शामिल

LUCKNOW (31 Aug): यूजीसी की ओर से आयोजित नेट/जेआरएफ जून 2026 के रिजल्ट में लखनऊ यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स ने अपनी शैक्षणिक व शोध प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया. विभिन्न संकायों एवं शिक्षण विभागों से 102 स्टूडेंट्स ने सफलता पाई है. इसमें 16 ने जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) और 86 असिस्टेंट प्रोफेसर पात्रता (नेट) परीक्षा उत्तीर्ण की है.

हिंदी विभाग से सर्वाधिक पास

प्रवक्ता प्रोफेसर मुकुल श्रीवास्तव की ओर से जारी सूचना के अनुसार हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग से सर्वाधिक 19 स्टूडेंट्स सफल हुए हैं. इनमें चार जेआरएफ और 15 नेट वाले हैं. वहीं, शिक्षा शास्त्र विभाग से दो जेआरएफ, 14 नेट, अर्थशास्त्र विभाग से चार जेआरएफ व नौ नेट, समाज कार्य विभाग से एक जेआरएफ व नौ नेट तथा मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग से नौ स्टूडेंट नेट उत्तीर्ण हुए हैं. इन सफल विद्यार्थियों की उपलब्धि से एलयू का गौरव बढ़ा है और अन्य छात्रों को भी उच्च शिक्षा व शोध के लिए प्रेरणा मिलेगी.

इन विभागों के भी स्टूडेंट

इसके अलावा पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग से पांच, सांख्यिकी से पांच, दर्शनशास्त्र विभाग से चार, प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग से चार, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग से चार, विधि संकाय से तीन, कंप्यूटर साइंस विभाग से दो, योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा संकाय से दो, फारसी विभाग से दो, उर्दू, भूविज्ञान, लोक प्रशासन और पाश्चात्य इतिहास से एक-एक छात्र ने परीक्षा पास की है.

"यह उपलब्धि हमारे सुदृढ़ शैक्षणिक वातावरण, शोध संस्कृति और शिक्षकों के निरंतर मार्गदर्शन का परिणाम है. सफल स्टूडेंट्स, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों को बधाई. प्रो. जेपी सैनी, वीसी, एलयू

एलयूआरएन में रजिस्ट्रेशन 15 तक

एलयू ने सत्र 2026-27 की केंद्रीकृत यूजी एवं पीजी प्रवेश प्रक्रिया के तहत एलयू रजिस्ट्रेशन नंबर रजिस्ट्रेशन की लास्ट डेट 15 सितंबर कर दी है. पहले 31 अगस्त तक समय दिया गया था. विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों में प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए एलयूआरएन रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है.

AMRIT VICHAR

हार्वर्ड बिजनेस स्कूल देगा लविवि प्रबंधन के छात्रों को 'गुरुमंत्र'

लविवि बना देश का पहला राज्य विवि जहां अंतरराष्ट्रीय सुविधा निशुल्क

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रबंधन के छात्रों को अंतरराष्ट्रीय अध्ययन सामग्री उपलब्ध होने जा रही है, जिसके लिए विश्वविद्यालय ने हारवर्ड बिजनेस स्कूल के साथ हाथ मिलाया है। हार्वर्ड बिजनेस स्कूल की शिक्षण सामग्री और केस स्टडीज अब तक केवल देश के शीर्ष भारतीय प्रबंधन संस्थानों तक ही सीमित थीं। लेकिन देश में पहली बार लखनऊ विश्वविद्यालय ऐसा राज्य विश्वविद्यालय बन गया है, जो अपने छात्र-छात्राओं को यह अंतरराष्ट्रीय सुविधा पूरी तरह से 'निशुल्क' उपलब्ध कराने जा रहा है।

आईआईएम की तर्ज पर अब लखनऊ विश्वविद्यालय के बीबीए, बीकॉम और मुख्य व द्वितीय परिसर के सभी एमबीए कार्यक्रमों के प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों को सत्र 2026-27 में यह सुविधा मिलनी शुरु हो जाएगी। जिसके लिए 'साइट लाइसेंस एग्रीमेंट' विश्वविद्यालय ने किया है। उल्लेखनीय है कि हार्वर्ड की यह विश्वस्तरीय शिक्षण सामग्री और प्रतिष्ठित केस स्टडीज अब तक केवल देश के शीर्ष भारतीय प्रबंधन संस्थानों तक ही सीमित थीं। इसका संपूर्ण वित्तीय भार विश्वविद्यालय स्वयं वहन कर रहा है ताकि सामान्य व मध्यमवर्गीय परिवारों के मेधावी छात्र भी बिना किसी अतिरिक्त आर्थिक बोझ के अंतरराष्ट्रीय स्तर की पठन सामग्री प्राप्त कर सकें।

इस साझेदारी के अंतर्गत अधिकृत विद्यार्थियों और शिक्षकों को निम्नलिखित अध्ययन सामग्री का डिजिटल एक्सेस मिलेगा। प्रत्येक छात्र को प्रमुख हार्वर्ड केस स्टडीज का अध्ययन करने की सुविधा मिलेगी, जिसमें विश्व की अग्रणी कंपनियों के वास्तविक व्यापारिक निर्णयों का विश्लेषण शामिल है।
-प्रो. जेपी सैनी, कुलपति, लविवि

इनको मिलेगा लाभ

- शैक्षणिक सत्र 2026-27 के दौरान विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर और द्वितीय परिसर में संचालित स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के निम्नलिखित पाठ्यक्रमों के विद्यार्थी अपने प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर में इस सुविधा का सीधा लाभ उठा सकेंगे।

विवि के 102 होनहारों ने नेट में लहराया परचम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- जून में आयोजित नेट जेआरएफ का परिणाम हुआ घोषित
- 16 अभ्यर्थियों ने जेआरएफ और 86 ने नेट में पाई सफलता
- छात्र-छात्राओं ने किया अपनी शैक्षणिक व शोध प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन

अमृत विचार: विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा जून 2026 के परिणाम की घोषणा हो गई है। जिसमें लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपनी शैक्षणिक व शोध प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा विभिन्न संकायों एवं शिक्षण विभागों से अब तक मिली जानकारी के अनुसार कुल 102 विद्यार्थियों ने इस परीक्षा में सफलता अर्जित की है। इनमें 16 विद्यार्थियों ने जूनियर रिसर्च फेलोशिप और 86 विद्यार्थियों ने असिस्टेंट प्रोफेसर पात्रता नेट परीक्षा उत्तीर्ण की है।

विभाग-वार प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग से सर्वाधिक 4 जेआरएफ और 15 नेट (कुल 19), शिक्षा शास्त्र विभाग से 2 जेआरएफ व 14 नेट (कुल 16), अर्थशास्त्र विभाग से 4 जेआरएफ व 9 नेट (कुल 13), समाज कार्य विभाग से 1 जेआरएफ व 9 नेट (कुल 10), तथा मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग से 9 छात्र नेट उत्तीर्ण हुए हैं। इसी क्रम में पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग से 1 जेआरएफ व 4 नेट (कुल 5), सांख्यिकी विभाग से 5 नेट, दर्शनशास्त्र विभाग से 1 जेआरएफ व 3 नेट (कुल 4), प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग से 1 जेआरएफ व 3 नेट (कुल 4), पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग से 4 नेट, विधि संकाय से 1 जेआरएफ व 2 नेट (कुल 3), कंप्यूटर साइंस विभाग से 2 नेट, योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा संकाय से 2 नेट, फारसी विभाग से 2 नेट, उर्दू विभाग से 1 जेआरएफ, भूविज्ञान विभाग से 1 नेट, लोक प्रशासन विभाग से 1 नेट और पाश्चात्य इतिहास विभाग से 1 छात्र ने नेट परीक्षा उत्तीर्ण की है। हालांकि विश्वविद्यालय की ओर से अंतिम रुप से आंकड़ा अभी जारी नहीं किया गया है। जिसके बाद छात्र-छात्राओं की संख्या और भी बढ़ सकती है।

HTC

LU SIGNS PACT WITH HARVARD BUSINESS PUBLISHING, STUDENTS TO GAIN

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW: Lucknow University on Monday announced that it became the first state university in the country to provide Harvard Business School's world-class study material free of cost to its students, on the lines of IIMs.

The university has signed a site licence agreement with Harvard Business Publishing (HBP), officials said.

Till now, Harvard's premium teaching material and case studies were limited to the Indian Institutes of Management (IIMs).

LU will bear the entire financial burden so that meritorious students can access international material without additional cost.

The facility will be available from session 2026-27 to all first and second semester students of BBA and BCom at UG level and all MBA programmes running in main and second campus at PG level, including MBA in finance and accounting, human resource, marketing, international business, business analytics, finance and control, pharmaceutical and tourism management.

Vice-chancellor prof J P Saini said that Lucknow University does not want to limit itself to giving degrees but wants to make students capable leaders as per needs of modern industry and corporate world.

"Till now this material was limited to select IIMs. We are proud that LU is the first state university to provide this facility completely free to all registered students of BBA, BCom and MBA. Students will have access to case studies of real companies and global management theories, which will develop logical thinking, strategic decision-making and practical problem-solving skills, giving them an edge in MNC placements," said Saini.

Under the partnership, authorised students and teachers will get digital access to Harvard case studies analysing real business decisions of leading global companies, Harvard Business Review (HBR) articles and reprints by top industry thinkers, and core curriculum covering foundational and advanced principles of management and commerce.

NBT

बीकॉम और बीबीए के छात्रों को भी मिलेगा हार्वर्ड का कंटेंट

लखनऊ विश्वविद्यालय और हार्वर्ड विवि के बीच हुआ एग्रीमेंट

- एलयू की ओर से छात्रों के लिए यह सुविधा मुफ्त होगी
- कोर्स कैरिकुलम व टीचिंग नोट्स भी छात्र पढ़ सकेंगे।

डिग्री चुनने में बाधा नहीं बनेगी परफॉर्मेंस

छात्रों को मिलेगा विकल्प

AKTU मुफ्त देगा छात्रों को ट्रांसक्रिप्ट

HINDUSTAN

एलयू-हार्वर्ड में करार छात्रों को मुफ्त सुविधा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने व्यावसायिक और प्रबंधन शिक्षा को वैश्विक स्तर पर ले जाने के लिए हार्वर्ड बिजनेस पब्लिशिंग के साथ समझौता किया है। इसके तहत बीबीए, बीकॉम और एमबीए के विद्यार्थियों को हार्वर्ड की केस स्टडीज और एचबीआर सामग्री तक निशुल्क डिजिटल पहुंच मिलेगी। इस सुविधा का पूरा खर्च विश्वविद्यालय स्वयं वहन करेगा। विश्वविद्यालय का दावा है कि यह सुविधा मुफ्त देने वाला यह देश का पहला राज्य विश्वविद्यालय है। मुख्य और द्वितीय परिसर के पहले और दूसरे सेमेस्टर में यह लाभ मिलेगा।

शोध मेधा छात्रवृत्ति के आवेदन अब दस तक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए शोध मेधा छात्रवृत्ति के आवेदन की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 10 सितंबर 2026 कर दिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इच्छुक विद्यार्थियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन पूरा करने की सलाह दी है।

सूचना के मुताबिक, छात्रवृत्ति के लिए आवेदन ऑनलाइन और ऑफलाइन, दोनों माध्यमों से अनिवार्य होगा। विद्यार्थियों को आवेदन पत्र के साथ सभी जरूरी दस्तावेज भी संलग्न करने होंगे। ऑनलाइन आवेदन के लिए एलयू ने गूगल फॉर्म का लिंक जारी किया है।

एलयू में पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 की स्नातक एवं परास्नातक प्रवेश प्रक्रिया के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय पंजीकरण संख्या बनवाने की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। विश्वविद्यालय के अनुसार, पहले यह अंतिम तिथि 31 अगस्त 2026 निर्धारित थी, जिसे अब बढ़ाकर 15 सितंबर 2026 कर दिया गया है।

संबद्ध महाविद्यालयों में प्रवेश लेने वाले सभी विद्यार्थियों के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय पंजीकरण संख्या बनवाना अनिवार्य होगा। इच्छुक विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध समर्थ पोर्टल देखें।

TIMES OF INDIA

LU to grant students free access to Harvard business content

Times News Network

Lucknow: Students of Lucknow University's BBA, BCom and MBA programmes will get free access to Harvard Business Publishing's case studies, Harvard Business Review (HBR) articles and other global learning resources from the 2026-27 academic session following a site licence agreement signed by the university. The facility will be available to eligible students at the university's main and second campuses, with first- and second-semester students set to benefit from the initiative.

The facility will be available to eligible students at the university's main and second campuses

LU vice-chancellor Prof JP Saini said the move was aimed at preparing students for industry requirements through exposure to real-world business challenges and global management concepts. "LU does not want to limit itself to merely awarding degrees. We want to equip our students to become capable leaders who can meet the requirements of modern industry and the corporate world," he said.

Prof Saini said access to Harvard content would help students develop analytical thinking, strategic decision-making and problem-solving skills, giving them an advantage in employment opportunities, including in multinational companies.

These case studies will educate students on business decisions and challenges faced by leading companies worldwide, as well as HBR articles and reprints featuring insights from industry experts and corporate leaders. The licence also provides access to Harvard's Core Curriculum, which includes foundational and advanced learning resources in management and commerce.

University officials said the initiative would strengthen experiential learning and expose students to international business practices alongside the regular curriculum.

HINDUSTAN

एलयू के 86 विद्यार्थी नेट, 16 जेआरएफ में सफल

लखनऊ। यूजीसी द्वारा आयोजित यूजीसी नेट /जेआरएफ जून 2026 परीक्षा में लखनऊ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय दिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन को विभिन्न संकायों और विभागों से अब तक प्राप्त जानकारी के अनुसार कुल 102 विद्यार्थियों ने इस परीक्षा मे सफलता अर्जित की है, जिनमे से 16 विद्यार्थियों ने जेआरएफ तथा 86 विद्यार्थियों ने नेट उत्तीर्ण किया है। कुलपति प्रो. जे.पी. सैनी ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई दी।